Trade with South-East Asian Countries

"287. **Shri Surendra Pal Singh:** Will the Minister of **Commerce** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that recently the Chairman of the State Trading Corporation visited a number of South-East Asian countries with a view to exploring the possibilities of developing industrial and trade relations with those countries; and

(b) if so, what are his findings, and what specific recommendations have been made by him in this regard?

The Minister of Commerce (Shri Manubhai Shah): (a) The Chairman, State Trading Corporation, led a delegation to Japan and some South-East Asian countries with the main object of promoting the export of salt from India. The opportunity was also utilised to explore possibilities of developing trade and industrial relations with Philippines, Malaysia and Thailand.

(b) A statement summarising the observations made by the Chairman after his return from these countries is laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT-3171/64].

रेलवे कर्मचारी के विरुद्ध जांच

*288. **श्री ओंकार लाल बेरवा :**
श्री गुलशन :
श्री यशपाल सिंह :

क्या रेलवे मंत्री 2 जून, 1964 के अतारांकित प्रश्न संख्या 308-ख के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विशेष पुलिस संस्थान द्वारा उनके विरुद्ध की गई जांच के परिणामस्वरूप दिल्ली के मेन स्टेशन के सम्बन्धित कर्मचारी के खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है;

(ख) उन से कितनी धनराशि वसूल की गई; और

(ग) क्या रेलवे मंत्रालय ने इस वर्ष इसी कर्मचारी को 500 रुपये का पुरस्कार दिया है ?

रेलवे मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) अभी विभागीय कार्रवाई की जा रही है ।

(ख) विशेष पुलिस सिब्बन्दी (Special Police Establishment) ने आमदनी के अनुपात से अधिक परिसम्पत्ति रखने आदि के आरोप लगाये हैं । ये आरोप इस तरह के हैं कि इनमें सम्बन्धित कर्मचारी से कोई रकम वसूल करने का सवाल नहीं उठता ।

(ग) जी हां ।

हैवी इलैक्ट्रिकल्स फैक्टरी, भोपाल

*289. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री** : क्या उद्योग तथा सम्भरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हैवी इलैक्ट्रिकल्स फैक्टरी, भोपाल में "धीरे काम करो" हड़ताल हुई थी;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण थे; और

(ग) इस "धीरे काम करो" हड़ताल के परिणामस्वरूप इस कारखाने को कितना नुकसान हुआ था ?

उद्योग तथा सम्भरण मंत्रालय में भारी इंजीनियरिंग मंत्री (श्री वि० ना० सिंह) : (क) हैवी इलैक्ट्रिकल्स फैक्टरी भोपाल में 13 और 14 अगस्त, 1964 को "धीरे काम करो" हड़ताल हुई और कुछ विभागों में कुछ समय के लिए काम बंद कर दिया गया था ।

(ख) हड़ताल कारखाने के कुछ अनुत्तरदायी कर्मचारियों द्वारा अन्य कर्मचारियों में बड़े पैमाने पर झूठी अफ़वाहें फैलाने के कारण हुई ।

(ग) नुकसान का अभी अनुमान नहीं लगाया गया है ।

Small Scale Industries

*290. **Shri Vidya Charan Shukla:**
Shri R. S. Pandey:
Shri Uikey:

Will the Minister of **Industry and Supply** be pleased to state:

(a) whether an adjustment in the State-wise allocation of cold rolled black plain sheets under the small scale industries quota of indigenous steel was made during the period October, 1962 to March, 1963; and

(b) if so, what was the basis for doing so?

The Deputy Minister in the Ministry of Industry and Supply (Shri Bibudhendra Misra): (a) and (b). The allocation of cold rolled black plain sheets made to State Governments during the half years April to September 1962 and October 1962 to March 1963, respectively, is given in the statement laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT-3172/64]. It will be observed that there was an increase in the allocations to Gujarat, Assam and Maharashtra and a reduction in the allotments to Andhra Pradesh and Punjab. In the other cases, the increases or reductions were of a marginal nature. The reason for these adjustments was to make the allotments more equitable, having regard to the demands received from the State Governments.

कपड़ा मिलें

808. **श्री बागड़ी :** क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में कपड़ा मिलों की कुल संख्या क्या है और उन में कितना कपड़ा तैयार होता है; और

(ख) इन मिलों में कुल कितने व्यक्ति काम करते हैं ?

वाणिज्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सें० वें० रामस्वामी) : (क)

कताई-बुनाई मिलों की संख्या तारीख वार	बनाये कपड़े का वार्षिक परिमाण (दस लाख मीटर में)
1-1-1961 : 287	1961—4701
1-1-1962 : 285	1962—4560
1-1-1963 : 287	1963—4423

(ख) वर्ष के अन्त में

1961 .	8.07 लाख
1962 .	7.98 ,,
1963 . .	8.21 ,,

Railway Accidents

809. **Shri Daljit Singh:**
Shri Vishwa Nath Pandey:
Shri Ram Harkh Yadav:

Will the Minister of **Railways** be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 1469 on the 24th March, 1964 and state:

(a) the number of accidents occurred since November, 1963 zone-wise;

(b) the causes of the accidents;

(c) the loss of lives and material sustained by Railways, zone-wise; and